नीमच जिला चिकित्सालय का प्रसूति वार्ड बना अकाल मौतों का चिकित्सा वार्ड

चैनसिंह सोलंकी

नीमच। सदैव अव्यवस्था और लापरवाही से मरीजों का इलाज नहीं होने से सुर्खियों में रहने वाला नीमच जिला चिकित्सालय में हर दिन कोई न कोई हादसा होता रहता है चिकित्सालय मे प्रसूति वार्ड मे हर माह एक से दो महिलाओ की प्रसव के दौरान मौत हो जाती हैं नर्स स्टॉफ बिना पैसे लिए डिलेवरी नहीं करते हैं शिकायत पर रेफरल पर्ची बना देते नीमच जिला चिकित्सालय के महिला प्रसूति वार्ड में आए दिन आए दिन नर्स स्टाफ पर डॉक्टर की लापरवाही से महीने में एक से दो गर्भवती प्रसूता की अकाल मौत हो जाती है जिला चिकित्सालय में रोज 15 से 20 महिलाओं की प्रसूति होती है जिसमें से सामान्य 10 से 12 होती है और 7 से 8 की सिजीरियन में होती है जिसमें से ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र की महिला होती है यूं तो जिला चिकित्सालय में काफी सारे संसाधन और व्यवस्था है पर नर्स स्टाफ और डॉक्टर की लापरवाही व्यवस्था की वजह से कई बार मौत हो जाती है जिसमें परिजन अपने के खोने की वजह से गुस्सा मे डॉक्टर पर कार्रवाई हेतु तोड़फोड़ धक्का मुकी तक करते हैं जिसे जिला पुलिस संभालती है दो दिन पहले राजस्थान के सुबी गांव की टीना मीना की प्रसूति के दो दिन बाद गलत खून चढ़ाने के दौरान मृत्यु होने पर परिजनों ने नीमच शहर के फवारा चौक पर कारवाही हेतू घंटे दो घंटे जाम लगाकर स्टाफ नर्स व डॉक्टर के ऊपर गंभीर आरोप लगाए परिजनों का कहना था कि डॉक्टर नर्स ने सही से देखभाल नही की मरीज प्रसूति दो दिन तक पूरी तरह से सही थी और जब उनको खून चढ़ाया गया खून में कोई दिक्कत होने से खून चढ़ाने के बाद उनको घबराहट हुई और उनको मौत समय पर इलाज नही होने से हो

डिलीवरी के 3 दिन बाद महिला की मौत पर अस्पताल में हंगामा

▸ परिजन ने की अस्पताल में तोड़फोड़

नीमच। मध्य प्रदेश के नीमच जिला अस्पताल में शनिवार रात जमकर हंगामा हो गया। जब डिलीवरी के तीन दिन बाद एक महिला की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजन ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाते हुए न सिर्फ अस्पताल में तोड़फोड़ की, बल्कि चिकित्सकों के साथ मारपीट करने की कोशिश भी की। घटना की सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंची और हालात को काबू में लिया।

बताया जा रहा है कि, अस्पताल में इलाज के दौरान जान गवाने वाली महिला का नाम टीना पति प्रहलाद, निवासी पीहर चीताखेड़ा और ससुराल आचारी है। 3 दिन पहले टीना ने ऑपरेशन से डिलीवरी कराकर एक पुत्र को जन्म दिया था। परिजन का कहना है कि, बीते तीन दिनों में उसकी हालत सामान्य थी और वो लगातार स्वस्थ हो रही थी। लेकिन शनिवार शाम करीब 8 बजे जिस समय वो खाना खा रही थी, तभी अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई।

उपचार तो मिला, पर काफी देर से आरोप- परिजन का आरोप है कि, महिला की हालत देख उन्होंने डिलीवरी वार्ड के पास मौजूद डॉक्टरों के साथ-साथ नर्सिंग स्टाफ को बार-बार बुलाया, लेकिन काफी देर तक कोई नहीं आया। देर से पहुंचे स्टाफ और 4-5 डॉक्टरों ने महिला को ऑक्सीजन लगाकर उपचार शुरू किया तथा तुरंत ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में शिफ्ट किया, लेकिन तबतक काफी देर हो चुकी थी। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद महिला को बचाया नहीं जा सका।

'ब्लड चढ़ाने के बाद बिगड़ी तबीयत'- परिजन ने आरोप लगाया कि, दिन में टीना को ब्लड चढ़ाया गया था, जिसके बाद से उसकी तबीयत लगातार बिगड़ना शुरू हो गई थी। इस संबंध में भी परिजन द्वारा अस्पताल स्टाफ को अवगत कराया गया, लेकिन फिर भी डॉक्टर्स ने गंभीरता नहीं दिखाई। इधर, महिला की मौत की सूचना अस्पताल में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में परिजन अस्पताल पहुंचने लगे और एकाएक आक्रोशित होते हुए तोड़फोड़ कर दी। उन्होंने डॉ. योगेंद्र धाकड़ को चारों ओर से घेर लिया और मारपीट की कोशिश की।

दो डॉक्टरों पर पैसे लेने का आरोप

यही नहीं, गुस्साए परिजन ने जिला अस्पताल के दो डॉक्टरों पर पैसे लेने का भी आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि, डिलीवरी करने के एवज में उनसे 8 हजार रूपए मांगे गए थे। परिजन ने ये भी कहा कि, हमने डॉक्टर को 7 हजार दिए भी हैं।

'जांच के बाद दोषियों पर होगी कार्रवाई'- घटना के बाद फिलहाल, पुलिस ने जिला अस्पताल परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही, मामले को जांच में लिया है। परिजन ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने जांच के बाद तथ्य सामने आने की बात कही है। घटना के बाद अस्पताल में तनाव के हालात है।

गई और डॉक्टर ने घर बुलाकर उनसे आठ हजार लिए थे और यह विश्वास दिलाया था कि हम आपकी डिलीवरी से अस्पताल मे बढ़िया से करवा देंगे उसके बाद भी प्रसूता की जान चली गयी मृतका के परिजनों मनोहर मीणा ने आज मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को उक्त हादसे से अवगत कराया और डॉक्टर के ऊपर कार्रवाई हेतु जनसुनवाई में आवेदन दिया इससे भी पहले जिला चिकित्सालय मे कई कैस हो चुके हैं जिसमें उपरोक्त डॉक्टर लाड़ धाकड़ के ऊपर गंभीर आरोप है जिसमें कई महिलाएं मौत के मुंह में समा चुकी है डॉ लाड़ धाकड़ का अस्पताल चिकित्सालय जवाहर नगर में स्थित है जहां पर वह प्रैक्टिस करती है और वहीं पर मरीजों को देखकर उनसे पैसे लेकर जिला चिकित्सालय में एडमिट करती है और विश्वास भरोसा दिलाती हैं की आप अगर पैसे देंगें आप का इलाज व डिलेवरी सही से हो जायगी जिला चिकित्सालय में साल भर मे 15 से 20 अकाल मौत होती हैं जाती है जिसमें जो भी मरीज के परिजनों दुवारा गंभीर आरोप लगाते हैं उसमें कहीं न कहीं डॉक्टर की गंभीर लापरवाही और स्टाफ का व्यवहार अमानवी होता है पिछले 5 साल का जानना वार्ड का रिकॉर्ड देखा जाए तो अस्पताल में संसाधन डॉक्टर की संख्या सही होने के बाद भी मौतो का आंकड़ा कम नही हुऐ हैं इसे डॉक्टर की मानवीय भूल माने या उनका निजी लालच मरीज अपनी जान गवा देता है इस विषय में कई बार शिकायतें हुई धरना पर्दशन ज्ञापन हुए और अब तक कुछ सटीक जांच और कार्रवाई नहीं हुई उपरोक्त डॉक्टर लाल धाकड़ पिछले कई सालों से जिला चिकित्सालय में सदस्य है और कई आरोप इन पर लग चुके हैं पर अभी तक इनके कोई कार्रवाई नहीं हुई सिर्फ मरीज के परिजनों द्वारा जांच के नाम पर बोलकर संतुष्ट कर दिया जाता है जांच चल रही है और वही क्या चल रही क्या नहीं चल रही है बात को दबा कर दिया जाता है और कुछ नहीं होता है इसे ही एक 2021 में रावतखेड़ा गाँव निवासी श्रीमती प्रकाश कुंवर को अस्पताल मे लाया गया था नॉर्मल डिलिवरी होना बताया गया था और बाद में बच्चा भी मर्त पैदा हुआ और प्रसूति के दो घंटे बाद प्रसूता की भी मौत हो गयी परिजनों ने ज्ञापन दिया पर अभि तक कोई भी दोषी पर कई कारवाही नहीं हुई कई महिलाओं जो जिला चिकित्सालय में एक अच्छी उम्मीदसे आती है कि उनका इलाज सही होगा वह जच्चा बच्चा सही होगा पर अधिकांश के साथ ऐसा होता नहीं है इसमें जिम्मेदार लोग जो कार्रवाई करना चाहते कर नहीं पाते जिला चिकित्सा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर के खाद्यात और सिविल सर्जन महेंद्र पाटील से बात करना चाहिए तो उन्होंने फोन नहीं उठाया बात नहीं की आज टीना मीणा के परिजनों ने जिला कलेक्टर व जिला पंचायत अध्यक्ष को भी ज्ञापन आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है डॉ लाड़ धाकड़ से उनका पक्ष जानने हेतू बात करना चाहा तो उनके स्टॉफ ने फ़ोन उठाया कोई जवाब नहीं दिया

इनका कहना

टीना मीणा के बारे मे जो ज्ञापन आया था उसे जिला कलेक्टर को दे दिया है जल्दी ही जांच कर कार्रवाई की जाएगी

– एसडीएम संजीव साहू

डॉक्टर लाड़ धाकड़ के पति योगेंद्र ने बताया कि पैसे लेने के आरोप गलत है मरीज के परिजन संतुष्ट थे पर साथ आये लोगो ने माहौल बिगाड़ा व आरोप लगाए।

डंपर हादसे में आदिवासी युवक की मौत के बाद चक्का जाम कर किया प्रदर्शन

▸ प्रशासन की समझाइश के बाद खुला जाम

नीमच। मंगलवार सुबह दड़ौली में नीमच-सिंगोली मुख्य मार्ग पर हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र में तनाव पैदा कर दिया। सांवरिया कंस्ट्रक्शन उदयपुर के डंपर ने रिवर्स लेते समय बाइक सवार कारू लाल भील (42), निवासी ग्राम आंबा को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक्सीडेंट के बाद ग्रामीणों का फूटा आक्रोश—आवागमन रहा बाधित

हादसे के तुरंत बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने नीमच-सिंगोली रोड को घटनास्थल पर ही जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि दुर्घटना के 20 मिनट से अधिक समय तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे आक्रोश और बढ़ गया। जाम के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित रहा।

आदिवासी समुदाय में रोष—दो डंपरों में तोड़फोड़

गुस्साए आदिवासी ग्रामीणों ने मौके पर मौजूद दो डंपरों के कांच तोड़ दिए। भीड़ लगातार उग्र होती जा रही थी, जिससे माहौल तनावपूर्ण बना रहा इसके बाद जावद एसडीएम प्रीति संघवी, जावद एसडीओपी रोहित राठौर तथा किसान नेता राजकुमार अहीर मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल भेजकर हालात पर नियंत्रण की कोशिश की है।

क्या कहते हैं जिम्मेदार....?

दडोली के समीप सड़क पर डंपर से दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु की सूचना मिली है, मृतक का नाम कालू लाल भील है दुर्घटना के बाद 20 मिनट तक चक्का जाम किया गया था ।प्रशासन की टीम द्वारा समझाइश के बाद चक्का जाम खुलवा दिया गया नियमानुसार मामले की जांच करवा कर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी अवैध खनन के मामले में जांच के बाद जो भी पाया जाएगा उस पर निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

–प्रीति सिंघवी एसडीएम

आदिवासी युवक की डंपर दुर्घटना में मृत्यु हो गई है कंपनी के अधिकारियों ने अस्थाई नौकरी और आर्थिक सहायता का विश्वास दिलाया है। सरकार ने काफी संघर्ष के बाद मांगों को स्वीकार किया है अवैध खनन के मामले में निष्पक्ष कानूनी जांच के बाद नाम अनुसार कानूनी कार्रवाई की बात खनिज विभाग अधिकारियों द्वारा कही गई है ।

बाबूलाल खराड़ी, जयेश जिला प्रभारी नीमच,

चीताखेडा के श्री चन्द प्रभु जिनालय के शिखर कलश पर चढ़ाई वार्षिक धर्म ध्वजा

चीताखेडा। स्थानीय गांव के मध्य स्थित माणक चौक के पास श्री चंदप्रभु जी बड़ा जिनालय के शिखर कलश पर हर वर्ष की भांति इस बार भी मंगलवार को वार्षिक ध्वजा चढ़ाने का कार्यक्रम पूरी सादगीपूर्ण माहौल में ढोल ढमाकों के साथ विधि-विधान पूर्वक घंटी घड़ियाल,शंख और थाली ,डंका की स्वर लहरियों के साथ सत्तर भेदी पूजा अर्चना आरती कर ध्वजा चढ़ाने के लाभार्थी परिवार द्वारा चंद्रप्रभ जी की और श्री सिद्ध चक्र भगवान की ध्वजारोहण चढ़ाई गई।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्षानुसार श्री चंद्रप्रभ जी जैन श्वेताम्बर जिनालय ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री चंद्र प्रभु जी जिनालय पर शिखर कलश पर ध्वजा चढ़ाने वाले के लाभार्थी हंसराज, हरपाल , दिनेश लालका एवं लालका परिवार नीमच, और सिद्ध चक्र जी के जिनालय पर शिखर कलश पर धर्म ध्वजा के लाभार्थी स्वर्गीय शेषमल महात्मा की स्मृति में शिखर, अंकित,राज,प्रियांश महात्मा और स्वर्गीय गेहरीलाल सगरावत की स्मृति में श्रीमती चांदी बेन, विनोद कुमार, सुनील कुमार, शैलेन्द्र कुमार, कुलदीप,अक्ष और तुषार सगरावत परिवार चीताखेडा के द्वारा चढ़ाई गई। सर्वप्रथम श्री चंदप्रभु जी बड़ा जिनालय विधिकारक श्री मनिष पितलिया मंदसौर के द्वारा पूरी विधि-विधान पूर्वक पूजा पढ़ाई गई,तत्पच्यात शुभ मुहूर्त में धर्म ध्वजा कार्यक्रम के प्रति सामाजिक आस्था समर्पण और त्याग का प्रतिक श्री चंद्र प्रभु जी जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुनील कुमार सगरावत, ट्रस्ट सचिव शांतिलाल सगरावत नीमच, श्री संघ ट्रस्ट सचिव अशोक कोठारी, ट्रस्टी पारस सगरावत सहित जैन समुदाय के श्रावक-श्राविकाएं बड़ी संख्या में मौजूद थेथे।

को -ऑपरेटिव सोसायटी व सहकारिता विभाग की लापरवाही के विरोध में पीड़ितों ने जताया रोष

नीमच। अक्षय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा लंबे समय से किए जा रहे कथित शोषण, अवैध गतिविधियों तथा सहकारिता विभाग की उदासीनता से परेशान पीड़ितों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा।

पीड़ितों ने शांतिपूर्ण विरोध की घोषणा करते हुए मांग की है कि संस्था एवं उसके जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि अक्षय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी कई वर्षों से नियम विरुद्ध तरीके से कार्य कर रही है। वर्ष 2024 से अब तक विभिन्न विभागों, मंत्रालयों. राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री कार्यालय तक लगभग सभी स्थानों पर शिकायतें की जा चुकी हैं। इसके बावजूद हर शिकायत अंततः सहकारिता विभाग को जांच हेतु भेज दी जाती है, लेकिन विभाग द्वारा आज तक न तो किसी प्रकार की जांच की गई और न ही संस्था के अवैध कार्यों पर रोक लगाने हेतु कार्रवाई की गई।

ज्ञापन में बताया गया कि सहकारिता विभाग द्वारा शिकायतों पर जानबूझकर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जब भी प्रार्थीगण शिकायत की प्रगति पूछते हैं, विभाग द्वारा यह कहकर टाल दिया जाता है कि उनके पास शिकायत से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं।

राष्ट्रीय साहसिक शिविर के अंतर्गत रोमांचक वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियाँ

नीमच. अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट्स, पोंग डैम (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय साहसिक शिविर में मध्यप्रदेश के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन एवं महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के रासेयो स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस संपूर्ण दल का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन शासकीय महाविद्यालय रामपुरा, जिला नीमच के कार्यक्रम अधिकारी एवं दल प्रभारी डॉ. भरत कुमार धनगर द्वारा किया गया, जिनके नेतृत्व में दोनों विश्वविद्यालयों के स्वयंसेवकों ने सभी साहसिक गतिविधियों में अनुशासन, साहस और टीमवर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

शिविर में कयाकिंग, कैनोइंग, राफ्टिंग, सर्फिंग, रोइंग सहित विभिन्न जल क्रीड़ा गतिविधियों का प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को जल सुरक्षा, प्राथमिक उपचार एवं आपात बचाव तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त हुआ।

इस सफल आयोजन में क्षेत्रीय निदेशक श्री अशोक कुमार श्रोती, युवा अधिकारी डॉ. राजकुमार वर्मा, राज्य रासेयो अधिकारी डॉ. मनोज कुमार अग्निहोत्री, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शेखर मैदमवार तथा महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर के कार्यक्रम समन्वयक श्री अरुण चौरसिया का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा।

साहसिक शिविर की इस यात्रा में संस्कार चौरसिया, हरिओम जौहर, ज्योति सोनी, ऋषिका तिवारी, दिव्या माली, बाबू आदिवासी, गंगा गौड, गुलाबसा बानो, निशिध श्रीमाल एवं हर्ष प्रसाद — सभी ने शिविर में साहस, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का प्रेरक परिचय दिया।

दल प्रभारी डॉ. भरत कुमार धनगर ने बताया कि यह अनुभव स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और साहसिक दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण दिशा प्रदान करेगा। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई।

यह राष्ट्रीय साहसिक शिविर युवाओं के शारीरिक-मानसिक विकास, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण और देश सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने वाला अविस्मरणीय अवसर साबित हुआ। स्वयंसेवकों ने इसे अपने जीवन की एक बड़ी उपलब्धि बताया।

सरस्वती शिशु मन्दिर कराड़िया महाराज भूमि पूजन समारोह संपन्न

नीमच। सरस्वती शिशु मंदिर कराडिया महाराज के लिए रामचंद्र जांगडा (राज्य सभा सांसद हरियाणा) द्वारा भवन निर्माण हेतु 11 लाख की स्वीकृति मिली । मुख्य अतिथि नीमच विधानसभा विधायक दिलीप सिंह जी परिहार, शिव नारायण जी गहलोत (श्रेत्रीय संगठन मंत्री वि. हि.प), मनोहर सिंह लोढ़ा (समाज सेवी) , राजेन्द्र सिंह राणावत (पुर्व जिला पंचायत अध्यक्ष), हेमलता जी धाकड़ (अध्यक्ष ग्राम भारती जिला नीमच), बद्रीलाल पाटीदार (अध्यक्ष स.शी.म, कराडिया महाराज),श्री किशोरदास जी बैरागी (कुशा भाऊ ठाकरे मण्डल अध्यक्ष), मोहन सिंह जी राणावत (भाजपा मण्डल अध्यक्ष), डॉ लक्ष्मी नारायण जी शर्मा (जिला सजीव ग्राम भारती नीमच), कैलाश कुंवर दिदी (स सचिव ग्राम भारती नीमच),श्री राजेंद्र भट्ट (जिला प्रमुख, जिला नीमच), कन्हैयालाल जी कारपेंटर (तहसील प्रमुख जावद) , सर्व प्रथम प्रणवाक्षर ? भारत माता माता सरस्वती का पूजन कर भूमि पूजन कर विद्यालय की बहनों द्वारा सरस्वती वंदना कि गई। अतिथि परिचय विद्यालय प्रधानाचार्य निशा जैन द्वारा कराया । .विधायक द्वारा विद्यालय निर्माण में 5 लाख रुपये की सहयोग राशि की घोषणा की गई। ग्रामीण जन द्वारा भी सहयोग 1 लाख के लगभग राशि व सहयोग वाटर कूलर सयोज़क मंडल सदस्य बद्रीलाल जी पाटीदार द्वारा सामग्री की घोषणा की गई।

पुलिस अधिकारियों की ली बैठक, पुलिस चौकियों का भ्रमण

▸ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उज्जैन जोन का नीमच भ्रमण

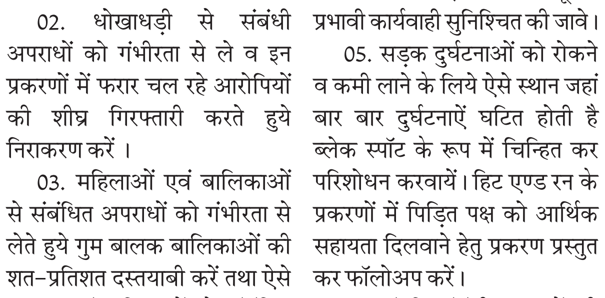

नीमच। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन उज्जैन उमेश जोगा 02 दिवसीय जिला नीमच के भ्रमण पर दिनांक 24.11.2025 को नीमच पहुँचें। पुलिस नियत्रंण कक्ष नीमच स्थित सभाकक्ष में जिले के पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान अंकित जायसवाल पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसौदिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिले समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, चैकी प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान निम्नानुसार निर्देश दिये गये।

01. सभी थाना प्रभारी लंबित अपराधों, चालान, मर्ग, मॉल जिसमें विशेष रूप से वाहन शामिल है का निराकरण अधिक से अधिक करें।

02. धोखाधड़ी से संबंधी अपराधों को गंभीरता से ले व इन प्रकरणों में फरार चल रहे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करते हुये निराकरण करें ।

03. महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों को गंभीरता से लेते हुये गुम बालक बालिकाओं की शत-प्रतिशत दस्तयाबी करें तथा ऐसे स्थान जहां महिलाओं से संबंधित अपराध अधिक घटित होते है उन्हे चिन्हित कर सीसीटीवी केमरे लगावे व महिला जागरूकता हेतु अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित करें।

04. मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध निष्पक्ष एवं पारदर्शितापूर्वक प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जावे।

05. सड़क दुर्घटनाओं को रोकने व कमी लाने के लिये ऐसे स्थान जहां बार बार दुर्घटनाऐं घटित होती है ब्लेक स्पॉट के रूप में चिन्हित कर परिशोधन करवायें। हिट एण्ड रन के प्रकरणों में पिड़ित पक्ष को आर्थिक सहायता दिलवाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत कर फॉलोअप करें।

06. संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु आदतन अपराधियों पर लगातार नजर रखे व ऐसे आरोपी जो लगातार संपत्ति संबंधी अपराधों में लिप्त रहते है उनके गुजर बसर पर नजर रखी जावे।

एक नजर ▸ चौकीदार-पटवारी पर रुपए लेकर भूमि अभिलेखों में हेराफेरी के आरोप

25 परिवारों ने कलेक्टर जनसुनवाई में लगाई गुहार

नीमच। जिला मुख्यालय पर आयोजित कलेक्टर जनसुनवाई में ग्राम गिरदोड़ा के लगभग 25 परिवारों ने पहुंचकर राजस्व अभिलेखों में गंभीर अनियमितताओं की शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने लिखित ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि ग्राम के पटवारी और चौकीदार द्वारा रुपए लेकर भूमि रिकॉर्ड में गलत नाम दर्ज करने, सीमांकन बदलने और नामांतरण प्रक्रियाओं में हेराफेरी की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि जानबूझकर की गई इन त्रुटियों के कारण भविष्य में जमीन संबंधी विवाद, कानूनी परेशानी और आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि गिरदोड़ा के

करीब 25 परिवारों की जमीनों में

दर्ज कराई। ग्रामीणों ने लिखित ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि ग्राम के पटवारी और चौकीदार द्वारा रुपए लेकर भूमि रिकॉर्ड में गलत नाम दर्ज करने, सीमांकन बदलने और नामांतरण प्रक्रियाओं में हेराफेरी की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जानबूझकर की गई इन त्रुटियों के कारण भविष्य में जमीन संबंधी विवाद, कानूनी परेशानी और आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि गिरदोड़ा के करीब 25 परिवारों की जमीनों में गलत प्रविष्टियाँ, गलत सीमांकन और त्रुटिपूर्ण राजस्व विवरण दर्ज कर दिए गए हैं। इन्हीं अनियमितताओं को लेकर कई बार पटवारी एवं संबंधित राजस्व कर्मचारियों को जानकारी दी गई, लेकिन आज तक रिकॉर्ड में सुधार नहीं किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी शिकायत सुनने के बजाय बार-बार टालमटोल करते रहे, जिससे प्रशासनिक लापरवाही स्पष्ट दिखाई देती है।

ग्रामवासियों ने बताया कि चौकीदार से चर्चा में ग्रामीणों ने रुपए लेने की बात स्वीकार की है जिनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की है की पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों पर कड़ी विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाए। राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) सहित सभी लागू नियमों के तहत लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। गिरदोड़ा के सभी प्रभावित परिवारों की भूमि का दोबारा सर्वेक्षण और सत्यापन कर सही प्रविष्टियाँ दर्ज कराई जाएँ। वर्तमान त्रुटिपूर्ण अभिलेखों को निरस्त कर राज्य शासन के अनुसार सही रिकॉर्ड पुनः दर्ज किए जाएँ। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वे सामूहिक रूप से वैधानिक कदम उठाने, उच्च प्रशासनिक स्तर पर शिकायत करने तथा शांतिपूर्ण जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।